# पाठ-४ देव-दर्शन

**प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर**

☎ 99260-40137

# देव-दर्शन किसे कहते हैं?

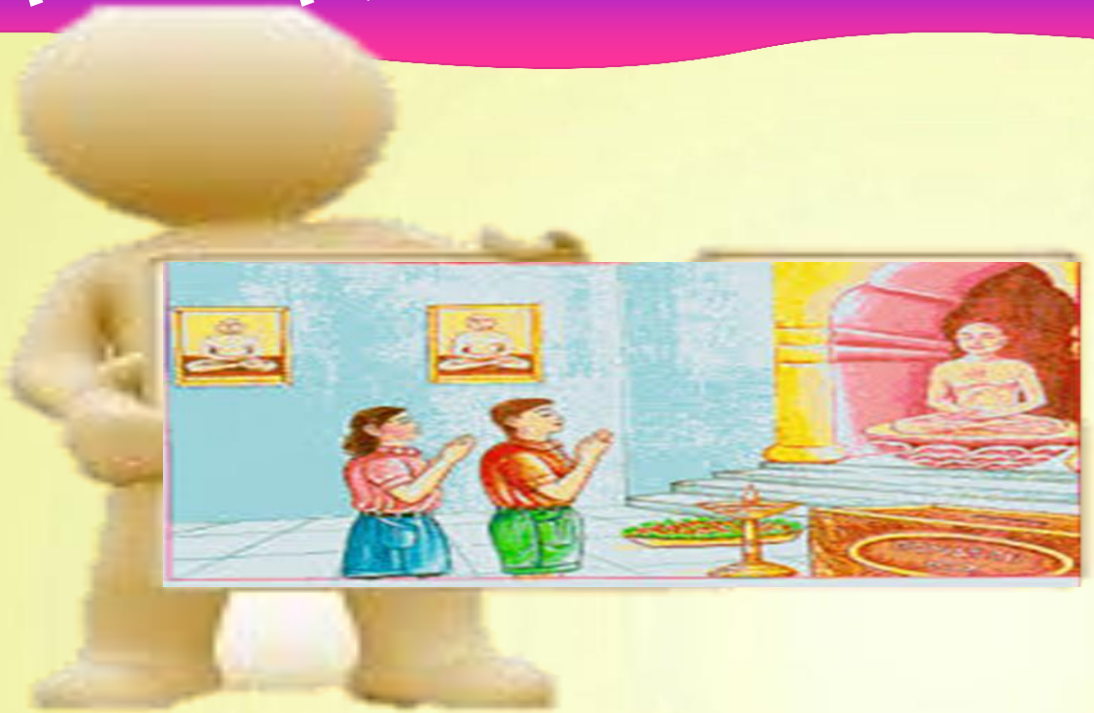

- देव + दर्शन
- देव = जिनेन्द्र भगवान(अरहंत)
- दर्शन = देखना / निहारना / निरखना

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

# देव दर्शन की विधि

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

# घर पर क्या छोड़कर जायें?

## चमड़े का इस्तेमाल ही न करें

क्यों?

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

घर से पाठ या स्तुति बोलते हुये प्रसन्न मन से जिनमन्दिर जायें।

जिनमन्दिर के बाहर एक तरफ में जूते- चप्पल, मौजे उतारें।

स्वच्छ छने हुए जल से हाथ-पैर धोयें।

मंदिर जी में क्या बोलते हुये प्रवेश करें?

# नि:सहि नि:सहि नि:सहि

## बोलते हुए मन्दिर जी में प्रवेश करें।

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

# नि:सहि का अर्थ

## सर्व सांसारिक कार्यों का निषेध

## (त्याग करता हूँ)

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

# फिर भगवान की वेदी के सामने जाकर क्या बोलें?

- ॐ जय जय जय नमोस्तु नमोस्तु नमोस्तु कहें
- णमोकार मंत्र बोलें
- चत्तारि मंगल पाठ बोलते हुए
- अष्टांग नमस्कार करें

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

# फिर प्रदक्षिणा देना चाहिये?

- चित्त को एकाग्रकर स्तुति पढ़ते हुए
- तीन बार

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

# तीन प्रदक्षिणा क्यों देना चाहिये

- भगवान को सर्व ओर से निहारने के लिये
- रत्नत्रय की प्राप्ति के लिये

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

# कायोत्सर्ग करें

- नौ बार णमोकार मंत्र पढ़ते हुए
- काय + उत्सर्ग =
- शरीर + ममता छोड़ना

# स्वाध्याय करें

- कम-से-कम आधा घंटा स्वाध्याय करें
- यदि मंदिर जी में उस समय प्रवचन होता हो तो वह सुनना चाहिये

# मनन करना चाहिये

- जो शास्त्र में पढ़ा हो अथवा प्रवचन में सुना हो थोड़ी देर बैठकर उसका मनन करना चाहिये
- सोचना चाहिये-
  - मैं कौन हूँ?
  - भगवान कौन हैं?
  - मैं स्वयं भगवान कैसे बन सकता हूँ? आदि

# इस सबसे क्या लाभ?

- अपनी आत्मा में शांति प्राप्त होती है
- परिणामों में निर्मलता आती है

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर